प्रशासन के जागने से पहले ही अवैध निर्माण का टूटना शुरू हो गया

गोरखपुर

# बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में एआईसीटीई प्रायोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हुआ आयोजन

**जनसंदेश टाइम्स सहजनवां गोरखपुर।** बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गोरखपुर में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा प्रायोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन दिनांक 19 जनवरी से 24 जनवरी 26 तक किया गया। यह कार्यक्रम ह्व्यवहारिक वित्त में वित्तीय साक्षरता की भूमिकाह्व विषय पर केंद्रित रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ 19 जनवरी को हुआ, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रख्यात प्रोफेसर प्रो. आर. के. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र में उन्होंने संज्ञानात्मक पूर्वाग्रह विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार मानसिक पूर्वाग्रह निवेशकों के वित्तीय निर्णयों को प्रभावित करते हैं।

इसी दिन आयोजित अगले सत्र में डॉ. प्रशांत त्रिपाठी ने निवेश निर्णयों पर मीडिया के प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि समाचार माध्यमों एवं

डिजिटल मीडिया की भूमिका निवेशकों के व्यवहार को दिशा देने में किस प्रकार महत्वपूर्ण होती है। इसके पश्चात प्रोफेसर जे. वी. वैष्णमपायन ने व्यवहारिक वित्त के विभिन्न आयामों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के दूसरे दिन काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्रोफेसर एवं पूर्व डीन प्रो. आशा राम त्रिपाठी ने वित्तीय निर्णयों के व्यवहारिक पक्ष विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने वित्तीय निर्णय प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कारकों की भूमिका को विस्तार से रेखांकित किया।

इसके उपरांत आयोजित सत्रों में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. अनिल यादव एवं प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने संबंधित विषयों पर अपने विचार साझा करते हुए प्रतिभागियों के साथ अकादमिक संवाद किया। 23 जनवरी को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रो. सौरभ ने वित्तीय निर्णय-निर्माण में सामाजिक प्रभाव विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने बताया कि सामाजिक कारक किस प्रकार निवेश व्यवहार में परिवर्तन लाते हैं।

कार्यक्रम के अंतिम दिन के अंतिम सत्र में प्रसिद्ध उद्योगपति श्री महेश कुमार रूंगटा ने अपने व्यावहारिक औद्योगिक अनुभव साझा किए, जिससे प्रतिभागियों को व्यवहारिक वित्त के व्यावहारिक और वास्तविक पक्ष को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।संस्थान के चेयरमैन डॉ. आर. अग्रवाल एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रजत अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को वित्तीय साक्षरता एवं व्यवहारिक वित्त के आधुनिक आयामों से परिचित कराना रहा। संस्थान प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

BIM

# बुद्धा में एआईसीटीई प्रायोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

**सहजनवा, गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)।** बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गोरखपुर में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन 19 जनवरी से 24 जनवरी तक किया गया। यह कार्यक्रम रोल आफ फाइनेंशियल लिट्रेसी इन बीहैवीरल फाइनेंस विषय पर केंद्रित था।

कार्यक्रम का शुभारंभ 19 जनवरी को हुआ, जिसके मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रख्यात प्रोफेसर प्रो. आर.के. सिंह रहे। उद्घाटन सत्र में उन्होंने कैजनिटिव बीज विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार मानसिक पूर्वाग्रह निवेशकों के वित्तीय निर्णयों को प्रभावित करते हैं। इसी दिन के अगले सत्र में डॉ. प्रशांत त्रिपाठी ने निवेश निर्णयों पर मीडिया के प्रभाव विषय पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि समाचार माध्यम एवं डिजिटल मीडिया निवेशकों के व्यवहार को किस प्रकार दिशा देते हैं। इसके पश्चात प्रोफेसर जे.वी. वैष्णमपायन ने व्यवहारिक वित्त के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। अगले दिन आयोजित सत्रों में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं पूर्व डीन प्रो. आशा राम त्रिपाठी ने संबोधित किया इसके पश्चात आयोजित सत्रों में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. अनिल यादव एवं प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने संबंधित विषयों पर अपने विचार साझा किए और प्रतिभागियों के साथ अकादमिक चर्चा की। 23 जनवरी को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रो. सौरभ ने सोशल इंफ्लूएंस इन फाइनेंशियल डीसशन मेकिंग विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने सामाजिक प्रभावों के कारण निवेश व्यवहार में आने वाले परिवर्तनों को स्पष्ट किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन के अंतिम सत्र में प्रसिद्ध उद्योगपति श्री महेश कुमार रूंगटा ने अपने व्यावहारिक औद्योगिक अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया, जिससे शिक्षकों को व्यवहारिक वित्त के वास्तविक पक्ष को समझने का अवसर मिला। संस्थान के चेयरमैन डॉ. आर. अग्रवाल एवं सीईओ डॉ. रजत अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को वित्तीय साक्षरता एवं व्यवहारिक वित्त के आधुनिक आयामों से अवगत कराना था। संस्थान प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में एआईसीटीई प्रायोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

**सहजनवा, (गोरखपुर)।** बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गोरखपुर में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा प्रायोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का सफल आयोजन 19 जनवरी से 24 जनवरी तक किया गया। यह कार्यक्रम 'रोल ऑफ फाइनेंशियल लिट्रेसी इन बिहेवियरल फाइनेंस' विषय पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ 19 जनवरी को हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रख्यात प्रोफेसर प्रो. आर. के. सिंह उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में उन्होंने कॉग्निटिव बायस विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानसिक पूर्वाग्रह किस प्रकार

निवेशकों के वित्तीय निर्णयों को प्रभावित करते हैं। इसी दिन आयोजित अगले सत्र में डॉ. प्रशांत त्रिपाठी ने निवेश निर्णयों पर मीडिया के प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। इसके पश्चात प्रोफेसर जे. वी. वैष्णमपायन ने व्यवहारिक वित्त के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। दूसरे दिन काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं पूर्व डीन प्रो. आशा राम त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। इसके बाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. अनिल यादव एवं प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यानों के माध्यम से विषय से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए अकादमिक संवाद किया। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रो. सौरभ ने सोशल इंफ्लुएंस इन फाइनेंशियल डिसीजन मेकिंग विषय पर व्याख्यान दिया।

संस्थान के चेयरमैन डॉ. आर. अग्रवाल एवं सीईओ डॉ. रजत अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को वित्तीय साक्षरता एवं व्यवहारिक वित्त के आधुनिक आयामों से परिचित कराना रहा। संस्थान प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।